**GREEN LAWNS HIGH SCHOOL**

 **FINAL EXAMINATION YEAR 2022 – 2023**

 **SUBJECT : HINDI**

**CLASS : 8 A,B,C TIME : 2 ½ HOURS**

**DATE : MARKS : 80**

सूचना :

प्रश्न 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । [15]

1)जीवन पर संगीत का प्रभाव

2)धन : जीवन की आवश्यकता

3)भारत के विकास में विज्ञान की भूमिका

4)स्वच्छता का महत्व

प्रश्न 2) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए । [7]

आप अपनी गलती के लिए बहुत लज्जित हैं और माँ के सामने जाने का साहस भी नहीं जुटा पा रहे हैं । तथ्यों को स्पष्ट करते हुए माँ को पत्र लिखकर क्षमायाचना कीजिए ।

स्वच्छ भारत – स्वस्थ भारत अभियान का आपके आस – पड़ोस में क्या प्रभाव दिखाई देता है ? उसकी अच्छाइयाँ और सीमाओं की चर्चा करते हुए किसी समाचार के संपादक को पत्र लिखिए ।

प्रश्न3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए

एक गांव था। जिसमें एक वैध रहता था। जो बहुत अच्छा इंसान था। वह गांव में हर किसी को मदद करता था। गांव में हर कोई भी उनका सम्मान करता था।

एक दिन की बात है। रात का समय था। बहुत ही बारिश हो रही थी। तब वैध के घर के दरवाजे पर एक इंसान आया।

उन्होंने वैध को बुलाया। वैध ने दरवाजा खोला तो देखा कि एक इंसान बहुत भीगी हालत में दरवाजे के बाहर खड़ा था। उसकी तबीयत ठीक नहीं लग रही थीं। वह इंसान इतनी बारिश में ठंड के मारे कांप रहा था।

उसने इतनी बारिश में एक दिन उनके घर में रहने देने की प्रार्थना की। वैध ने उस इंसान को अपने घर में रुकने दिया। वैधने उनको रहने दिया और कुछ दवाइयां दी।

जब वह सुबह उठा तो उसकी तबीयत ठीक हो गई थी। उसने अपना परिचय दिया कि वह एक सुनार हे। वह यहां से दो गांव दूर विलास नगर में रहता है।

वहां उसकी एक सुनार की दुकान है। जब भी जरूरत हो तब मैं आपकी मदद करूंगा ऐसा उसने वादा किया और वह ऐसा कह कर चला गया।

एक दिन वैध जंगल में औषधि बनाने के लिए वनस्पति लेने गया। तब उसने देखा कि एक पेड़ गिरा हुआ है। जिसमें एक शेर और एक सांप फंस गए हैं। बाघ और सांप ने उससे मदद मांगी।

वैध ने सोचा कि यह मदद करने के बाद मार डालेगे तो।

बाघ ने कहा कि, “मैं आपको कोई भी नुकसान नहीं पहुँचाउगा। कृपया मेरी मदद कीजिए।”

सांप ने भी यही कहा।

वैधने बाघ की बात मान ली और बाघ को निकाला।

बाघ ने उसे वादा किया कि, “जब भी तुम मुझे बुलाओगे तब मैं तुम्हारी मदद करने के लिए आ जाऊंगा।”

फिर उसने साँप को निकाला। साँप ने उसे भी वादा किया कि, “तुम को जब मेरी जरूरत पड़ेगी में तुम्हारी मदद करुँगा ।”बहुत दिनों के बाद वैध फिरसे जंगल में औषधि लेने के लिए गया।

उसके सामने अचानक से तेंदुआ आ गया।

 उसको बाघ का वादा याद आया। उसने बाघ को बुलाया और बाघ से मदद मांगी। बाघ ने उसकी मदद की उसने तेंदुए को डरा कर भगा दिया।

बाघ मदद करके खुश हुआ बाघ ने उसे गुफा में चलकर कुछ खाने के लिए कहा। वह उसके साथ गुफा में गया।

उसने वैध को सोना दिया। उसने कहां कि यह सोना मुझे एक जंगल में मिला था। जिसे मैं इस गुफा में लाया हूँ। उससे उसे बाघ ने कुछ व्यापार करने को कहा।

तब वह सोने को लेकर दो गांव दूर सुनार के पास गया। वैधने उसको सारी बात बताई और बाघ के द्वारा दिए गए सोने को दिया।

उसने कहा कि, “मुझे इससे कितना धन मिल सकता है।”

सुनार उस सोने को देखकर पता चल गया कि यह सोना तो राजकुमार का है।

राजकुमार जंगल में मर गए थे और यह सोना राजकुमार का ही है।

राजा ने ऐलान भी किया है कि, “जो कोई राजा के राजकुमार या उसका सोना लेकर आएगा उसको पुरस्कृत किया जाएगा”।

 वह सोने को परख ना पड़ेगा इसलिए उसे थोड़ा समय रुक ने को कहकर वह घरके पीछे के दरवाजे से भाग गया।

वह राजा के पास गया यह राजकुमार का सोना है और यह वैध के पास मिला है। वैध ने ही राजकुमार को मारा होगा ऐसा मेरा शक है इसलिए उस वैध को सजा देने की बात उसने राजा से कही।

उस वैध को सिपाहीओ ने राजा के कहने पर पकड़ के जेल में डाल दिया। वैध ने कहा कि उसने कुछ नहीं किया यह सोना तो मुझे बाघने दिया है। पर किसी ने उसकी एक न सुनी।

वह बहुत उदास हो गया। तब उसको सांप के वादे की याद आई। उसने सांप को बुलाया।

सांप को उसने सब बात बताई। तब सांप ने कहा कि, “वह रानी को काटेगा और तब तुम रानी का इलाज करने की बात राजा से करना। तब मै मेरे जहर का तोड़ दूंगा और जिससे तुम रानी को बचा लोगे। ओर इसके बदले तुम राजा से जेल में से छूटने की बात करना।”

सांप और वैध ने ठीक ऐसा ही किया सांप ने रानी को काटा और वैध ने राजा को कहा कि, “वह रानी को ठीक कर सकता है।”

वैध ने रानी को ठीक कर दिया।राजा यह देख कर बहुत खुश हो गया। वैध ने इसके बदले जेल में से छोड़ने को कहा और राजा ने उसे छोड़ दिया।

उसके उपरांत भी राजा ने उसे कुछ ओर मांगने को कहा।

तब वैध ने कहा कि, “महाराज! यह सोना मुझे एक बाघ ने दिया था। जो एक जंगल में उसे मिला था। पर उस दुष्ट सुनार ने पुरस्कार के लिए आपसे झूठ बोला और मुझे फंसा दिया तो कृपया उसे उसकी सजा दे।”

यह सुनकर राजा को सब समझ आ गया और सुनार को पकड़ कर उसे जेल में डाल दिया।

नैतिक सीख:

इस कहानी के वैध की तरह हमें हर किसी पर और हर किसी के वादे पर भरोसा नहीं करना चाहिए। क्योकि कोई उस दुष्ट सुनार की तरह आप के भरोसे का गलत फायदा उठा सकता है।

प्रश्न 1)गाँव में कौन रहता था? उसने काँपते हुए आदमी की मदद कैसे की ?

प्रश्न 2) वैध जंगल में क्यों गया था ? उसने वहाँ क्या किया?

प्रश्न 3) वैध को सोना कैसे मिला? सुनार ने सोना देखकर क्या किया ?

प्रश्न 4) वैद्य ने अपने आपको जेल से कैसे छुड़ाया ?

प्रश्न 5) इस कहानी का उचित शीर्षक दीजिए और आपने इस कहानी से क्या सीखा यह भी बताइए ?

प्रश्न 4) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए ।

ई) निम्नलिखित शब्दों के दो – दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

क)

ख)

Iई) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

क)

Ii)

iii)